

लगने और जाल में मांझा डालने के काम आता है।

गाभ पुं. (तद्.) पशु का गर्भ दे. गाभा।

गाभा पुं. (तद्.) 1. कोमल, नरम पत्ता, नया कल्ला 2. पेड़ के बीच का हीर 3. लिहाफ, रजाई आदि के अंदर की निकली हुई रूई, गूदड़ 4. कच्चा अनाज, खड़ी खेती।

गामा किरण स्त्री. (अं.+तत्.) उच्च ऊर्जा की विद्युत चुंबकीय तरंगें।

गामी वि. (तत्.) 1. चलने वाला, चालवाला 2. गमन करने वाला, संभोग करने वाला, रमण करने वाला।

गामी वि. (तद्.) 1. ग्राम का निवासी 2. गँवार, मूर्ख।

गाय स्त्री. (तद्.) 1. जो जातीय मादा पशु जो दूध देने वाले पशुओं में प्रधान तथा हिंदू धर्म में पूज्य मानी जाती है, धेनु वि. बहुत सीधा, दीन मनुष्य प्रयो. सीता तो पूरी गाय है, किसी से कुछ कहती ही नहीं।

गायक पुं. (तत्.) गाने वाला, गवैया।

गायकवाड़ पुं. (देश.) बड़ौदा-नरेशों की उपाधि।

गायकी स्त्री. (तत्.) 1. गाने की क्रिया या भाव 2. गाने का तौर-तरीका 3. गाने का काम।

गायत वि. (अर.) बहुत अधिक, अत्यंत स्त्री. (तत्.) 1. उद्देश्य, मतलब 2. अंत, सीमा, छोर, किनारा

गायताल पुं. (देश.) 1. बैलों में निकृष्ट, निकम्मा चौपाया 2. निकम्मी रददी चीज, गई गुजरी, चीज मुहा. गायताल लिखना-बट्टे खाते डालना।

गायत्री स्त्री. (तत्.) 1. एक वैदिक छंद 2. सावित्री 3. दुर्गा 4. गंगा।

गायन पुं. (तत्.) 1. गान 2. गाने का व्यवसाय 3. गाने वाला, गवैया, गायक 4. कार्तिकेय।

गायब वि. (अर.) लुप्त, अंतर्धान, अदृश्य, छिपा हुआ, अनुपस्थित मुहा. गायब करना- चुरा लेना, उड़ा लेना।

गायिनी स्त्री. (तत्.) 1. गाने वाली स्त्री 2. एक मात्रिक छंद।

गारंटी स्त्री. (अं.) 1. आश्वासन 2. विश्वास, वचन 3. प्रतीति। प्रयो. वह अपने मित्र की सुरक्षा की गारंटी लेने को तैयार है।

गारत वि. (अर.) नष्ट, बरबाद, मटियामेट, ध्वस्त, तबाह।

गारद स्त्री. (अर.) 1. सिपाहियों का छोटा दस्ता 2. सिपाहियों की टुकड़ी जो किसी व्यक्ति या वस्तु की रक्षा के लिए नियुक्त की गई हो 3. पहरा, रक्षक, प्रहरी, गार्ड मुहा. गारद बैठना-पहरा बैठना; गारद में करना- हवालात में बंद करना; गारद में रखना-नजरबंद रखना प्रयो. मंत्रियों की सुरक्षा के लिए नियुक्त गारद पर व्यय अधिक हो रहा है।

गारना स.क्रि. (तद्.) 1. निचोड़ना 2. दुहना 3. घिसना 4. त्यागना, निकालना, दूर करना 5. नष्ट करना, खोना, बरबाद करना।

गारा पुं. (देश.) 1. मिट्टी या चूने सुर्खी का लेप जिससे ईंट जोड़ी जाती है 2. संकीर्ण जाति का एक राग जो दोपहर को गाया जाता है 3. वह नीची भूमि जिसमें पानी बहुत दिन न टिके।

गारी पुं. (तद्.) 1. गर्व, घमंड, अहंकार, अभिमान 2. मान, प्रतिष्ठा 3. गृह निवास, घर। पुं. (देश.) 1. असम का एक पहाड़ 2. एक जंगली जाति जो गारी पहाड़ पर रहती है।

गारी स्त्री. (तद्.) 1. गाली, दुर्वचन 2. कलंकजनक आरोप, चरित्र संबंधी लांछन 3. विवाह के अवसर पर गाया जाने वाला गीत। मुहा. गारी लगाना-कलंक लगाना, बदनामी होना। गारी बकना-अश्लील शब्द कहना।

गारुड़ पुं. (तत्.) 1. वह मंत्र जिसका देवता गरुड़ हो, सांप का जहर उतारने का मंत्र 2. गरुड़-व्यूह (सेना की व्यूह रचना) 3. पन्ना, मरकतमणि 4. सोना, सुवर्ण 5. गरुड़ास्त्र 6. गरुड़ पुराण।

गारुड़ि पुं. (तत्.) 1. संगीतशास्त्र में आठ प्रकार के तालों में से एक 2. मंत्र से साँप पकड़ने वाला, सपेरा।